वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

बी.ए. तृतीय वर्ष
विषय–हिन्दी
एच डी - 05
आधुनिक काव्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 70**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड – अ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

प्र. 1 'आधुनिकता' क्या है?

उत्तर सरल शब्दों में आधुनिकता को प्राचीनता अथवा मध्यकालीन बोध से भिन्न–भिन्न नवीन ज्ञान–विज्ञान से प्रभावित मानव समाज कहा जा सकता है।

प्र. 2 भारत में आधुनिकता का आरंभ कब से माना जाता है?

उत्तर 19वीं शताब्दी के नवजागरणकाल से।

प्र. 3 19वीं सदी के अंतिम वर्षो में किस रचनाकार के नेतृत्व में साहित्यिक रचनाशीलता आरंभ हुई?

उत्तर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नेतृत्व में।

प्र. 4 आधुनिक गद्य–साहित्य की परंपरा का प्रवर्त्तन किस विधा से माना गया?

उत्तर नाटक।

प्र. 5 हिन्दी–साहित्य के आधुनिक काल का आरंभ कब से माना गया?

उत्तर सन् 1857 से।

प्र. 6 राजाराम मोहन राय ने 'संवाद–कौमुदी' साप्ताहिक पत्र (बंग्ला) कब प्रारंभ किया?

उत्तर सन् 1821 में।

प्र. 7 हिन्दी के पहले पत्र 'उदन्त मार्त्तण्ड' का प्रकाशन वर्ष क्या?

उत्तर सन् 1926

प्र. 8 आधुनिक हिन्दी–साहित्य का प्रारंभ कब से माना जाता है?

उत्तर सन् 1850 से।

प्र. 9 हिन्दी–कवियों का रचना–लक्ष्य क्या था?

उत्तर हिन्दी–कवियों ने अपनी कविता के माध्यम से भीड़ को जाग्रत करके जुझारू जनता में परिवर्तित करने का प्रयास किया।

प्र. 10 खड़ी बोली को पूरी तरह काव्य भाषा के रूप में अपनाने वाले प्रथम कवि कौन थे?

उत्तर कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त।

प्र. 11 आधुनिक काल को विशेष रूप से किसके लिए जाना जाता है?

उत्तर गद्य के विविध रूपों के विकास क लिए जाना जाता है, इसीलिए पं. रामचन्द्र शुक्ल ने इसे 'गद्यकाल' कहा है।

प्र. 12 लंबी कविता की संरचना का मूल आधार क्या है?

उत्तर बिंब और विचार का तनाव लंबी कविता की संरचना का मूल आधार है।

प्र. 13 लंबी कविता को महाकाव्यात्मक रचना क्यों कहा जाता है?

उत्तर क्योंकि इसमें समसामयिक युग सत्य को उसकी संपूर्णता, संश्लिष्टता और नाटकीयता में पकड़ने की बड़ी कोशिश होती है।

प्र. 14 काव्य रचना की दृष्टि से लंबी कविताओं को किन दो वर्गों में रखा है?

उत्तर (i) प्रगीतात्मक (ii) नाटकीय

प्र. 15 लंबी कविता की वस्त् के आधार क्या–क्या हो सकते है?

उत्तर पौराणिक, अर्द्ध ऐतिहासिक, ऐतिहासिक, समसामयिक और काल्पनिक में से कुछ भी हो सकते है।

प्र. 16 लंबी कविता के विकास का प्रधान कारण क्या है?

उत्तर पूँजीवादी व्यवस्था और लोकशाही की विसंगति लंबी कविता के उद्‌भव और विकास का प्रमुख कारण है।

प्र. 17 ''लंबी कविता केवल आकार में बड़ी नहीं है वरन् अपने रागात्मक और वैचारिक आयाम में बड़ी है।'' यह उक्ति किसकी है?

उत्तर डॉ. हरदयाल हामीदम की।

प्र. 18 हिन्दी काव्य में लंबी कविता की वर्तमान धारा की सार्थक शुरूआत किस कविता से मानी गई है?

उत्तर 'राम की शक्तिपूजा' – से। यह कविता निराला द्वारा लिखी गई है।

प्र. 19 मुक्तिबोध की लंबी कविता को नाटकीय किसने माना है?

उत्तर डॉ. नामवर सिंह ने।

प्र. 20 प्रबंधकाव्य के दो प्रकार कौन से है?

उत्तर (i) खण्डकाव्य (ii) महाकाव्य

प्र. 21 सुमित्रानंदन पंत की कौनसी काव्यकृति छायावादी कविता का घोषणा पत्र कही जाती है?

उत्तर पल्लव।

प्र. 22 सन् 1961 में पंत को किस काव्यकृति पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला?

उत्तर 'कला और बूढ़ा चाँद' पर।

प्र. 23 पंतजी का एक मात्र उपन्यास कौनसा है?

उत्तर 'हार'।

प्र. 24 पंतजी पर किस दर्शन का प्रभाव रहा है?

उत्तर अरविन्द–द"ान का।

प्र. 25 'परिवर्तन' कविता का मूल संदेश क्या है?

उत्तर संदेश–इस संसार में सबसे बड़ी ताकत परिवर्तन है और मनुष्य उसके सामने असहाय है।

प्र. 26 इस कविता (परिवर्तन) की भाषा कैसी है?

उत्तर पंत का पद–गठन लक्षणामूलक और व्यंजनापरक है और इसीलिए उनमें अर्थ सघनता अधिक है।

प्र. 27 'परिवर्तन' कविता में परिवर्तन क्या है?

उत्तर मध्ययुगीन ईश्वर–लीला को पंत ने यहाँ ठोस भौतिक रूप में परिवर्तन में रूपान्तरित कर दिया है।

प्र. 28 'पल्लव' से 'गुंजन' तक पंत किस प्रकार के कवि रहे है?

उत्तर वे इस रचना यात्रा में प्रकृति सौन्दर्य प्रेमी, कल्पनाशील व जिज्ञासु कवि के रूप में सामने आते है।

प्र. 29 'परिवर्तन' कविता में परिवर्तन की खोज क्या है?

उत्तर एक ओर मध्ययुगीन नियतिवाद और निराशावाद है, दूसरी ओर नश्वर संसार में शाश्वत तत्त्व के रूप में परितर्वन की खोज है।

प्र. 30 कब और किस कृति पर पंत ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?

उत्तर सन् 1969 में 'चिंदबरा' काव्यकृति पर।

प्र. 31 सुमित्रानंदन पंत ने अपनी काव्य–यात्रा का आरंभ कब से किया?

उत्तर सन् 1918 के आसपास।

प्र. 32 पंतजी की पहली प्रौढ़ रचना कौनसी है?

उत्तर 'पल्लव' उनकी पहली प्रौढ़ काव्य–कृति है।

प्र. 33 पंत के किस काव्यग्रंथ की कविताओं पर बंगला भाषा का प्रभाव है?

उत्तर 'वीणा' काव्यग्रंथ की कविताओं पर।

प्र. 34 'द्रुतझरो' कविता पंतजी के किस काव्यग्रंथ में संकलित है?

उत्तर 'युगान्त' काव्यग्रंथ में।

प्र. 35 'युगान्त' के बारे में नंददुलारे वाजपेयी का मत स्पष्ट कीजिए।

उत्तर युगान्त में प्राचीनता का तिरस्कार और नवीनता का विज्ञापन ज्यादा और उनका परिचय कम है।

प्र. 36 'परिवर्तन' कविता में 'वर्तमान के प्रति असंतोष क्या है?

उत्तर यह परिवर्तन का ही खेल है कि वह कभी भारत को समृद्धि के द्वार तक ले गया था और वर्तमान में वह एक झूठी कहानी भर रह गया है।

प्र. 37 पंत की काव्य–भाषा के बारे में अपना मत स्पष्ट कीजिए?

उत्तर वे शब्दों के अर्थगत सूक्ष्म अंतर को ध्यान में रखकर प्रसंगानुकूल शब्द–चयन करते हैं। शब्द–चयन में उन्हें किसी भाषा से परहेज नहीं है।

प्र. 38 छायावादी कविता की महत्त्वपूर्ण वि"ोषता क्या है?

उत्तर बिम्ब–विधान और अलंकार–योजना।

प्र. 39 'परिवर्तन' कविता में नवीनता क्या है?

उत्तर दरअसल 'परिवर्तन' के विचार पक्ष में नवीनता बहुत कम है। नवीनता उसकी योजना और प्रस्तुति में है।

प्र. 40 पंत नियतिवाद की शरण में क्यों गये?

उत्तर वे व्यक्तिगत और सामाजिक कारणों से इतने मर्माहत हुए कि प्राकृतिक नियतिवाद की शरण में जा बैठे।

प्र. 41 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर किस विचारधारा का असर था?

उत्तर भारतीय वेदान्त दर्शन, स्वामी रामकृष्ण की सांस्कृतिक विचारधारा का गहरा असर था।

प्र. 42 'सरोज स्मृति' किस प्रकार की रचना है?

उत्तर यह एक शोकगीत है।

प्र. 43 निराला की कौन सी कविता मुक्तछंद की प्रवर्तक रही है?

उत्तर 'जूही की कली' श्रृंगारिक कविता मुक्तछंद की आरंभिक रचना मानी जाती है।

प्र. 44 निराला के कहानी–संग्रह के नाम बताइये?

उत्तर लिली (1934), सखी (1935), सुकुल की बीवी (1941), चतुरी चमार (1945)।

प्र. 45 निरालाकृत प्रबंधात्मक औदात्य की दीर्घ कविताएँ कौनसी है?

उत्तर राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति, तुलसीदास।

प्र. 46 'सरोज स्मृति' किस काव्य–संग्रह में संकलित है?

उत्तर 'अनामिका' काव्य–संग्रह में।

प्र. 47 'सरोज स्मृति' कविता का प्रकाशन वर्ष क्या है?

उत्तर सन् 1935

प्र. 48 सन् 1921 के आसपास निराला किस पत्रिका के संपादन से जुड़े?

उत्तर 'समन्वय' पत्रिका से जुड़े।

प्र. 49 'सरोज स्मृति की मूल संवेदना क्या है?

उत्तर कविता में विविध घटनाओं का ब्यौरा सघन भावों के संतुलित उतार–चढ़ाव के साथ गहन आन्तरिक अन्वय व संगठन के साथ हुआ है।

प्र. 50 निराला का अंतिम काव्य–संग्रह कौनसा है?

उत्तर सान्ध्यकाकली (सन् 1969)

प्र. 51 निरालाजी ने सरोज की मृत्यु को किस रूप में स्वीकारा?

उत्तर उन्होंने सरोज के देह–त्याग को मृत्यु न मानकर ब्रह्म ज्योति में लीन होकर मुक्ति के रूप में माना है।

प्र. 52 सामाजिकता की दृष्टि से निराला को विद्रोही क्यों कहा गया?

उत्तर वे सामाजिक परम्परित विधानों का यथारूप अंधानुकरण नहीं करते या नहीं कर पाते। अतः वे इस दृष्टि से विद्रोही कहलाये।

प्र. 53 सरोज की मृत्यु किस उम्र में हुई?

उत्तर 18 वर्ष पूर्ण कर।

प्र. 54 सरोज के संदर्भ में निराला को क्या पश्चाताप रहा?

उत्तर निराला अपने को असमथ व निरर्थक पिता कहते हैं। ऐसा इसीलिए कि वे अपनी पुत्री को न अच्छा पहना सके न ही खिला सके। इस बात की कसक व पीड़ा उनके ह्रदय पटल पर अंकित रही।

प्र. 55 'सरोज स्मृति' में क्या सिर्फ सरोज–कथा है?

उत्तर नहीं। इसमें सिर्फ सरोज का अंकन न होकर स्वयं कवि का जीवन चरित और जीवन के सुख–दुःख, संस्मरण अभिव्यक्त हुए हैं।

प्र. 56 निराला की सामाजिकता कैसी है?

उत्तर निराला की सामाजिकता मानवतावादी संवेदनाओं से विनिर्मित है।

प्र. 57 'सरोज स्मृति का मुख्य स्वर क्या है?

उत्तर 'सरोज–स्मृति' में मुख्यतः निराला साहित्यिक, सामाजिक व ज्योतिष विषयक धारणाओं को तोड़ते हैं।

प्र. 58 सरोज को निराला ने अपने लिए क्या माना? कवितांश बताएँ।

उत्तर 'मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल'

प्र. 59 लंबी कविता के लक्षण क्या हैं?

उत्तर संवेदनाओं की निर्बाध अभिव्यक्ति, चेतना का मुक्त प्रवाह, यथार्थ का स्पष्ट बोध और उनके बीच से मूल्यों का निर्धारण लंबी कविता की पहचान है।

प्र. 60 'सरोज स्मृति की भाषा–शैली के संदर्भ में डॉ. नंदकिशोर नवल का क्या मत है?

उत्तर 'भाषा–प्रयोग के मामले में 'सरोज–स्मृति' में बहुत वैषम्य है।

प्र. 61 मुक्तिबोध किस प्रकार के रचनाकार थे?

उत्तर वे मानवीय अस्मिता, आत्मसंघर्ष और प्रखर राजनीतिक चेतना से समृद्ध रचनाकार थे।

प्र. 62 उनका काव्यकर्म सबसे पहले किसके माध्यम से सामने आया?

उत्तर अज्ञेय संपादित 'तारसप्तक' के माध्यम से।

प्र. 63 'ब्रह्मराक्षस' का रचना–विधान क्या है?

उत्तर मुक्तिबोध ने इसमें मिथक को आधार बनाकर फैंटेसी निर्मित की है।

प्र. 64 'ब्रह्मराक्षस' कविता का प्रथम प्रकाशन कब और किस पत्रिका में हुआ था?

उत्तर इस कविता का सबसे पहले प्रकाशन बनारस से निकलने वाली साहित्यिक पत्रिका 'कवि' में सन् 1957 म हुआ था।

प्र. 65 'ब्रह्मराक्षस' कविता का संशोधित रूप पुनः कब प्रकाशित हुआ?

उत्तर सन् 1964 में।

प्र. 66 मुक्तिबोध का निधन कब हुआ?

उत्तर सन् 1964 में, 11 सितंबर को।

प्र. 67 'ब्रह्मराक्षस' कविता में 'ब्रह्मराक्षस' कौन है?

उत्तर 'ब्रह्मराक्षस' एक बुद्धिजीवी का प्रेत है, इसलिए उसका आचरण भी असाधारण है।

प्र. 68 'ब्रह्मराक्षस' की ट्रेजेडी क्या है?

उत्तर ट्रेजेडी यह कि उच्च आदर्शों को आधार बनाकर जीने की कोशिश अन्ततः ब्रह्मराक्षस बना देती है।

प्र. 69 मैं 'ब्रह्मराक्षस' का 'सजल उर' शिष्य में 'सजल–उर' का क्या अर्थ है?

उत्तर करूणा से आप्लावित।

प्र. 70 ब्रह्मराक्षस आजीवन किससे परेशान रहा?

उत्तर अपने अन्तर्संघर्ष से परेशान रहा।

प्र. 71 मुक्तिबोध के काव्य की सामान्य विशेषता क्या है?

उत्तर मुक्तिबोध की कविताएँ अन्य प्रगतिशील कवियों से भिन्न होते हुए भी प्रगति विरोधी नहीं हैं।

प्र. 72 मिथक किसे कहते है?

उत्तर मिथक या पुराकथा किसी प्राचीन कथा, अवधारणा या विश्वास को कहते है, जिसका वर्णन युक्तिसंगत नहीं होता और जिसमें अतिरंजना का तत्त्व सर्वोपरि होता है।

प्र. 73 नयी कविता को मुक्तिबोध ने क्या नया रूप दिया?

उत्तर मुक्तिबोध ने नयी कविता को उसकी रूग्ण व्यक्तिवादिता और जड़ीभूत सौन्दर्य अभिरूचि से मुक्त किया।

प्र. 74 मुक्तिबोध की लंबी कविताओं की प्रवृति क्या है?

उत्तर आत्मसंघर्ष उनकी लंबी कविताओं की धूरी है।

प्र. 75 मुक्तिबोध स्वयं का मूल्यांकन कैसे करते है?

उत्तर स्वयं के बारे में उनका यह मानना है कि ''मानसिक द्वन्द्व मेरे व्यक्तित्त्व में बद्धमूल है।

प्र. 76 मुक्तिबोध के संबंध में त्रिलोचन की क्या मान्यता है?

उत्तर त्रिलोचन के अनुसार – ''मुक्तिबोध की मार्क्सवाद की अवधारणा औरों से वैसे ही भिन्न है, जैसे बहुत से रूसी समीक्षकों और चिंतकों की आपस में भिन्न दिखाई पड़ती है।

प्र. 77 ब्रह्मराक्षस की अवधारणा भारतीय शास्त्रों में कहाँ आई है?

उत्तर दो स्थानों पर आई है – (i) याज्ञवलक्य स्मृति (ii) मनुस्मृति में।

प्र. 78 रचनाकार मिथक को माध्यम क्यों चुनता है?

उत्तर रचनाकार अपने समय और समाज के यथार्थ को समझने–समझाने के लिए मिथक का माध्यम चुनता है।

प्र. 79 ब्रह्मराक्षस कौन था?

उत्तर दरअसल ब्रह्मराक्षस मनुष्य योनि में एक मध्यवर्गीय प्रगतिशील बुद्धिजीवी था।

प्र. 80 ब्रह्मराक्षस का द्वन्द्व क्या था?

उत्तर ब्रह्मराक्षस आत्म और विश्व तथा बाहर–भीतर के गलत द्वन्द्व में उलझा रहा।

खण्ड – ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम् 150-200 शब्दों में लिखिए ।

प्र. 1. साहित्य में 'आधुनिक 'शब्द पर सार्थक टिप्पणी कीजिए।

प्र. 2. आधुनिक काल का साहित्य विषय और शैली में अपने पूर्ववर्ती साहित्य से किस प्रकार भिन्न है? समझाइये।

प्र. 3. आधुनिकता को समझाने के लिए भारतवासियों के लिए आधुनिक शिक्षा–पद्धति सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक कैसे सिद्ध हुई? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4. आधुनिक हिन्दी कविता में जनतांत्रिक रूप का विकास हुआ है। कैसे? समझाइये।

प्र. 5. 'भारतेन्दु युग में पद्य के लिए खड़ी बोली' पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

प्र. 6. आधुनिक हिन्दी कविता में लोक–संस्कृति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्र. 7. लंबी कविता के नामकरण पर अपनी टिप्पणी दीलिए।

प्र. 8. लंबी कविता के रचना विधान को संक्षेप में समझाइये।

प्र. 9. लंबी कविताओं के विभाजन के आधार क्या हो सकते है?

प्र. 10. आधुनिक हिन्दी कविता पर यूरोप की लाँग पायेट्री के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 11. हिन्दी में लंबी कविता के विकास पर दृष्टिपात कीजिए।

प्र. 12. लंबी कविता की भाषा पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 13. द्विवेदी युग की प्रचलित भाषा की दृष्टि से 'पल्लव' की भाषा पर अपना मत दीजिए।

प्र. 14. मध्ययुगीन निराशाबोध से 'परिवर्तन' कविता संचालित है। कैसे? समझाइये।

प्र. 15. पंतजी जीवन के प्रति अपनी दुखवादी सोच को कविता में कैसे उपयोग करते हैं?

प. 16. 'बिना दुख के सब सुख निस्सार' के संदर्भ में पंत की कविता का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 17. 'परिवर्तन' कविता की शब्दावली पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 18. पंतजी मनुष्य–जीवन को प्रकृति के सम कैसे देखते हैं? समझाइये।

प्र. 19. छायावादी कविता के क्षेत्र में पंत के गतिशील एवं वैविध्यपूर्ण व्यक्तित्त्व को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 20. 'प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम और मोह' के आधार पर पंत की काव्य–प्रेरणा पर प्रकाश डालिए।

प्र. 21. 'परिवर्तन' कविता में जीवन की क्षणभंगुरता को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 22. पंत की कविता शाश्वत तत्त्व की खोज का दर्शन क्या है? समझाइये।

प्र. 23. पंत की कविताओं में अतीतानुराग पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

प्र. 24. पंत के जीवन में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन का प्रभाव कैसे हुआ?

प्र. 25. 'सरोज–स्मृति' को शोकगीत क्यों कहा गया? समझाइये।

प्र. 26. सूर्यकात त्रिपाठी निराला का जीवन–संघर्ष संक्षेप में बताइये।

प्र. 27. 'दुख ही जीवन की कथा रही' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

प्र. 28. धन्ये, मैं पिता निरर्थक था/कुछ भी तेरे हित न कर सका। को सार्थक प्रस्तुत कीजिए।

प्र. 29. 'सरोज–स्मृति' के भाव–संवेगों पर अपना मत दीजिए।

प्र. 30. निराला के साहित्यिक संघर्ष के यथार्थ का अंकन कीजिए।

प्र. 31. 'सरोज–स्मृति' मं निराला के व्यक्त–संघर्ष पर अपना मत दीजिए।

प्र. 32. निराला को महाप्राण क्यों कहा जाता था? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 33. निराला की नारीवादी दृष्टि समझाइये।

प्र. 34. 'लंबो कविता की संरचना' पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 35. 'सरोज–स्मृति' का छायावादी शिल्प सौष्ठव स्पष्ट कीजिए।

प्र. 36. 'सरोज–स्मृति' के आधार पर 'नवगढ़ शब्दावली' समझाइये।

प्र. 37. ब्रह्मराक्षस कविता में 'परित्यक्त और निर्जन बावड़ी' के माध्यम से मुक्तिबोध क्या अभिव्यक्त करते है?

प्र. 38. मुक्तिबोध की प्रस्तुत कविता में मानवीकरण अलंकार को समझाइये।

प्र. 39. ब्रह्मराक्षस बार–बार बावड़ी में स्नान क्यों करता है? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 40. 'ध्वनि लड़ रही अपनी प्रतिध्वनि से यहीं/बावड़ी की इन मुंडेरों पर' पंक्तियों का आशय समझाइये।

प्र. 41. ब्रह्मराक्षस के भीषण अन्तर्संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 42. ब्रह्मराक्षस कविता में 'समय में आए बदलाव' को व्याख्यायित कीजिए।

प्र. 43. भारतीय शास्त्र के अनुसार ब्रह्मराक्षस की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

प्र. 44. ब्रह्मराक्षस कविता की अभिव्यंजना क्या है? समझाइये।

प्र. 45. ब्रह्मराक्षस कविता के मिथक को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 46. ब्रह्मराक्षस की ट्रैजिडी क्या है? बताइये।

प्र. 47. ब्रह्मराक्षस कविता में मुक्तिबोध सत्यान्वेशी बुद्धिजीवी की क्या कमजोरी बयान करते हैं?

प्र. 48. मानवीय सभ्यता और संस्कृति के संदर्भ में मुक्तिबोध के अनुसार आत्मसंघर्ष की क्या भूमिका है? समझाइये।

प्र. 49. साहित्य में 'आधुनिक' शब्द पर सार्थक टिप्पणी कीजिए।

प्र. 50. आधुनिक काल का साहित्य विषय और शैली में अपने पूर्ववर्ती साहित्य से कैसे भिन्न है? समझाइये।

प्र. 51. आधुनिकता को समझने के लिए भारतवासियों के लिए आधुनिक शिक्षा–पद्धति सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक कैसे सिद्ध हुई? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 52. आधुनिक हिन्दी कविता में जनतांत्रिक रूप का विकास हुआ है। कैसे? समझाइये।

प्र. 53 हरिवंशराय बच्चन का काव्य सांस्कृतिक बोध तथा सामयिक चेतना को प्रस्तुत करता है। सिद्ध कीजिए।

प्र. 53 'दो चट्टाने' काव्य–संग्रह के आधार पर बच्चनजी की यथार्थवादी दृष्टि का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 54. 'दो चट्टाने' कविता में बच्चनजी ने यूनानी एवं भारतीय संस्कृति के मौलिक अन्तर को स्पष्ट किया है। प्रस्तुत कथन के आलोक में उक्त कविता का मर्म समझाइये।

प्र. 55 'दो चट्टाने' प्रबंधात्मक रचना में रचनाकार ने प्रतीकात्मक रूप से अस्तित्त्ववादी दर्शन की सशक्त अभिव्यक्ति की है। कैसे? समझाइये। श्रम के प्रतीक रूप में सिसिफस तथा हनुमान के क्रमशः निरर्थक एवं

साथक श्रम की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

प्र. 56 'कुआनों नदी' में व्यक्त गरीबी, भुखमरी का मार्मिक वर्णन है। इसी प्रसंग में सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कविता का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 57 'कुआनों नदी' में चित्रित बाढ़ की विभीषिका पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्र. 58 'कुआनों नदी' की प्रचलित भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

प्र. 59 मानव–जीवन की त्रासदी के संदर्भ 'कुआनो नदी' की चर्चा कीजिए।

प्र. 60 श्रम करने वाले लोगों के अभावग्रस्त जीवन के संदर्भ में 'कुआनो नदी' की कथ्य–चर्चा कीजिए।

खण्ड – स निबंधात्मक प्रश्न :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 400-500 शब्दों में लिखिए।

प्र. 1. आधुनिकता को एक प्रकार की प्रश्नाकुलता कहा गया है। क्यों? तर्कसम्मत अपना उत्तर दीजिए।

प्र. 2. खड़ी बोली हिन्दी साहित्य–रचना के क्षेत्र में कैसे अग्रसर हो सकीं? विस्तारपूर्वक समझाइये।

प्र. 3. उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में सामाजिक तथा धार्मिक सुधार आन्दोलनों पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 4. 'आधुनिक हिन्दी–कविता में जातीय–चेतना के स्वर' पर अपना अभिमत स्पष्ट कीजिए।

प्र. 5. छायावादी कविता में लंबी कविता के विकास को विस्तार से समझाइये।

प्र. 6. खण्डकाव्य के स्वरूप की सैद्धान्तिकी पर एक आलेख लिखिए।

प्र. 7. आधुनिक युग में लंबी कविता और खण्डकाव्य के विकास को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 8. द्विवेदीयुग की आख्यानधर्मी प्रबंधात्मकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 9. छायावादी रचनाकारों में रचना–वैविध्य की दृष्टि से पंतजी का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 10. 'पल्लव' की भूमिका के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पंतजी ने काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा पर डाली थीं।

प्र. 11. 'गुंजन' के बाद पंतजी की काव्य भाषा में आये बदलाव को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 12. 'परिवर्तन' कविता छायावाद के कल्पनाशील रूप के साथ उससे भिन्न अर्थ भी रखती है। कैसे? समझाइये।

प्र. 13. कल्पना शक्ति और भाषा की दृष्टि से 'पल्लव' का मूल्यांकन कीजिए।

प्र. 14. 'परिवर्तन' कविता के अनुभूति पक्ष पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

प्र. 15. पंत की कविताओं का दार्शनिक सामंजस्यवाद क्या है? समझाइये।

प्र. 16. पंत की लंबी कविताओं के रचना–विधान पर आलेख लिखिए।

प्र. 17. 'सरोज–स्मृति' की शैली अत्यंत मार्मिक होते हुए भी प्रभावोत्पादक है।' स्पष्ट कीजिए।

प्र. 18. निराला की सामासिक शैली पर अपना अभिमत दीजिए।

प्र. 19. 'सरोज' का ज्योतिः शरण–तरण' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र. 20. 'निराला ने सरोज–घटना को अलौकिक रूप प्रदान किया है' कैसे? समझाइये।

प्र. 21. 'सरोज–स्मृति' का अभिव्यंजना पक्ष स्पष्ट कीजिए।

प्र. 22. 'सरोज–स्मृति' के आधार पर बताइये कि निराला ने मुखर सामाजिक विद्रोह किया।

प्र. 23. साहित्यिक समाज में निराला को स्थिति स्पष्ट कीजिए।

प्र. 24. सिद्ध कीजिए कि 'रूढ़िवादी समाज के चित्रण में निराला का एक विक्षुब्ध अट्टहास है।'

प्र. 25. 'पिस गया वह भीतरी। औं बाहरी दो कठिन पाटों के बीच/ऐसी ट्रैजिडी है नीच।' उक्त पंक्तियों के माध्यम से ब्रह्मराक्षस के असफल जीवन की जीवत व्यंजना को समझाइये।

प्र. 26. उक्त कविता में मुक्तिबोध ने 'व्यवसाय और धनलोलुप समाज के आगमन का संकेत किया है।' कैसे? स्पष्ट कीजिए।

प्र. 27. ब्रह्मराक्षस की बदलती मनोगतियों पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 28. 'ब्रह्मराक्षस' कविता के माध्यम से 'प्राक्तन बावड़ी' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र. 29. 'ब्रह्मराक्षस' कविता की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

प्र. 30. ब्रह्मराक्षस कविता में फैंटेसी और यथार्थ पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

प्र. 31. मुक्तिबोध की कविता में आवेश की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 32. 'ब्रह्मराक्षस' कविता की भाषा गूढ़ और सांकेतिक है।' इस कथन पर अपना अभिमत दीजिए।